



नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वितर्क विः का र द विः जा प त लि का लि त्वा दा ॥
धा र ॥ ॥ आहु त ज प त प क य द मं द स्व वि त क्का मा र न मं प र ॥
ॐ आ द व ह आ कि नि यः वृ त्त य नि या ॐ इ य नि र्द नि य हू रु ॥
धा र १ थ मं र ज प त पा रू य अ नं ग मा र न रू ॥ ॥
॥ ॐ सा र सा ति मा दा सा लि तु र्द क न म्मा र य हू रु ६ स्वा हा धा र १ थ मं
र न प ल वा व रं रू प त पा रू न कं सा र व वि क का य रू ॥ ॥
ॐ हू हू हू भ र म्मु ॥ धा र २ १ थ मं प त पं धी ग वा र य का र क न

नमो भगवते वासुदेवाय

मिसावरी

मिसावरी

कुं को स धा मा वृ प्पा दी म उ ती त धा म्मा त पि का य वि धि रू ॥
॥ व ॐ हू ति र व नि ल का सा स र स न क र वी गृ पि ता ता रू मी द नि ज्ञा ज सि
न म्मा दा म्मा ता व र नै त स र क र ग्मा का म्मु दं स किः का म्मु दं द्वा दं वि
उ न र्प हू वा मि द नि त र ग्मा डी य दा त स रः स र व र ग्मा व र न्म र व त स र न
स कि र ग्मा तु त आ डी य। सि हि स मा हि व र ग्मा त गि र्मु कि स कि र्म
र कि रू त र्म रू ॐ गृ ता वा वा धा र ३ ॥ कि गृ पा र कि डा कू र्थ र्क ॥ क व
रु र्तिः प्र ज्ञा सि ध तः स्था न सः थ र्मु या य प्प य ना र्प डी ना रू य थ स य था क्का

७	८	९
५	६	७
३	४	५

मिसा नालिङ्ग, सन्निभस्य

ॐ सिद्धिं गुरु आह्ला । कोपन गति । वं धनः विप्रत वं धनः ॥
न वं धनः गुरु कि विद्याः रु माता का जति ॥ ॥ धु सः स वा ठर
पतः ० म्य वू नम र्वि कः का यत्र प्र धा त ३ ॥ त स मि सा व वृ ख न र नू स पत
ता यः गति रु न मं वं नू ता ॥ ॥ ॐ गतिः ला ता रं ५ ॥ ॥ धा त १ ॥
वृ कृ या धु गति र न्या वृ कृ य कं अ रु नि न रु हा वि धर वि र्माः मा क
त मा स नः धु त स्य य कं व र्माः स्वा या वृ त यः वि र्मा य कं म रु य कं वि क
न या रु रुः वा य त्रि । र्वी ॥ ॥

उवागय

शिराव सा॥ शिराव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

卷之五

॥ॐ रुदा त्रिधं कुरुता ॥ धात १ धातया गा ग गाय ॥ ११॥

ॐ अमादि कुरुता ॥ धात ११ मिनयू क या गा ग गाय ॥ ११॥

॥ॐ ता प्ररुता त सि तसु रं कुरुता स्ताका ॥ धात १ मा भत स्या क
पू यश सी ॥ १७

ॐ अवि अदिः आसा ३ ॐ अत नाथ वि वा या तितिरुता न कि वा
या ॥ यी स्व ति पा तव ति आ ग्या ॥ दे वा कृ ति न कुरु या धू त ज म कुरु ता

व कुरु ॥ कं मि सा व स या य रुता कुरु स कुरु भा व स्या ॥ १८ ॥

ॐ न मा ४ कं ता कि आ ग्या ॥ वा ति वा पा र वा ति अत र ता ग य सि
हि वा न या व कं आ ग्या ॥ धात ३ का त ३ त प या य अ न सी ॥ ॥ ॥

श्री का त १ त व आ ग्या ॥ सि हि व व नः ॐ ति स र व ध न र धा त प र
मा त य र त म य र अ क या ना म का य हू र श्री का मा र ग्या त व स

॥ आ ग्या ॥ सि का ति कुरु ॥ गा प या य धात २१ ॥ व त न कुरु त्र य या वः नु नु
उ स ॥ य मु त्र त प त्र स वा या डा त य स ता व स त य ॥ स ता व न

धातया

मि नयू क ॥ धात ११ ॥ मि नयू क

प्रसा ॥ रु द या य ॥

स कुरु स्या य रुता

ॐ अ धि ग त वि क ल्य ग ग ना स य र ह रु ङ स्या को । ध्या न १ आ रु न
०० का व को रं रं स्ना न का य र स धा न वि ना कृ क र का या खि य न नि
ग डी को रा य के अ धि वा या रु नी
ॐ न मी दं द व अ त रु वा य ह रु स्या को ॥ थ मं उ वि क गी गी या र्गु ति गी गी
या सा म न नि क या मं उ धा न र ह न म न व न गी न । श्री ति । य दि त ल
ग ति । धा कृ स ना प त या डी । नि य र्वा डी ग र न स त या डी का न र न
वि कृ ता या दा स र शी

वि वि डि ती ह रु ग्या को ॥ ध्या न १००० स्या सा न या न दि यु स रु ग्या को
ग का ति म न स्या वा त रु सी स्या न य या त्र दू य द रु वि य मं रु र्ग ता ॥ इ
ॐ ग र अ ग्या ती पु स्वा सा द्वा कृ न द्या मं तु ॥ ५॥
ॐ ग र अ ग्या अ र गि रा गी स्या ता रु त र ॥ ध्या न १ ॥ वि न हा क का या
न रु ग्या न ति का सा य स इ भ गी व की प ल न क व ग री र वी १ म म या व म
रु न सा गी डी वा डी म म व न म मा न क र र ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

सर्वभूतहितं कुरु सर्वदा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥